तापमान
अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 29 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई 2025

11 सामाजिक धर्मिक संस्थानों ने की परीक्षार्थियों...

12 चुनाव को लेकर बनाई एडहॉक कमेटी की नियत...

खबर संक्षेप

21वीं बार बनभौरी के लिए रवाना की निःशुल्क बस

उचाना। जय मां बनभौरी सेवा समिति उचाना मंडी की अगुवाई में 21वीं उचाना मंडी से देवभूमि बनभौरी के लिए निशुल्क बस को रवाना किया। हर महीने के शुक्लपक्ष के प्रथम रविवार को गीता विद्या मंदिर उचाना मंडी के पास से ये बस सुबह रवाना होती है। विकास बंसल ने बताया कि निरंतर ये बस सेवा सभी के सहयोग से जारी रहेगी। देवभूमि बनभौरी स्थित माता भ्रामरी धाम पर श्रद्धालु इस बस सेवा के माध्यम से दर्शन कर पूजा.अर्चना के लिए जाते है।

28 को नेपाल, काकड़ोद की टीम के बीच मैच

उचाना। 28 जुलाई को काकड़ोद गावं में जय बाबा जीतगर कबड्डी युवा क्लब द्वारा एक दिवसीय कबड्डी का आयोजन किया जा रहा है। ये मुकाबला नेपाल एवं जेकेसी काकड़ोद की टीम के बीच होगा। कोच मंजीत ने कहा कि नेपाल की टीम हरियाणा की मिट्टी में कबड्डी का मैच खेलेगी। इस तरह की मैच का आयोजन कबड्डी के खेल को बढ़ावा देना के लिए किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक बढ़ावा कबड्डी को मिले। काकड़ोद गांव के उदयपुर रोड पर जय बाबा जीतगर कबड्डी युवा क्लब खेल मैदान में ये मैच होगा।

सीआरएसयू में होगा तीज महोत्सव का आयोजन

जींद । डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि हरियाली तीज पर्व के उपलक्ष में स्थानीय चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय हरियाली तीज महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करेंगे। इस अवसर पर अंबाला में होने वाले प्रदेश स्तरीय हरियाली तीज महोत्सव जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाली तीज महोत्सव को लेकर समय रहते तैयारियां मुकम्मल कर लें।

नेचुरोपैथी डाइट कैम्प लगाया जाएगा

नरवाना। ओम-शांति सेंटर नरवाना द्वारा दी जानकारी के अनुसार बी के अश्विनी दीवान ने बताया कि नरवाना से नजदीक लगते कस्बे उचाना में नेचुरोपैथी डाइट कैम्प का आयोजन किया जाएगा जिसमें गुजरात डा जिग्नेश विशेष रूप से शामिल होंगे और नेचुरोपैथी डाइट के बारे में जानकारी देंगे। नरवाना से जो भाई जाना चाहते हैं तो उनके लिए गाड़ी का विशेष प्रबंध किया जाएगा।इस कैम्प का मात्र 4000 रुपए होगा जिससे हजारों का दवाईयों का खर्च बचेगा।

सुपर सुरक्षा के बीच दो दिवसीय सीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

दोनों दिन में कुल 49738 परीक्षार्थियों में से 46746 ने ही दी परीक्षा
2988 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

24738 में से 23338 ने दी परीक्षा 1400 परीक्षार्थियों रहे अनुपस्थित

- जुडवा परीक्षार्थी बने जिला प्रशासन के लिए परेशानी का सबब
- मंगलसूत्र उतरवाने पर हंगामा, महिला ने उतारा मंगलसूत्र, फिर दी परीक्षा
- परीक्षार्थियों को सुविधाजनक तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए दिखाई रोडवेज ने सतर्कता
- दो दिन एक्शन मोड में रहा पूरा प्रशासनिक अमला, नहीं बरती गई कोई भी ढिलाई
- आज भी एडमिट कार्ड दिखाकर निशुल्क आ सकेंगे अभ्यर्थी : रोडवेज जीएम राहुल जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सुपर सुरक्षा के बीच दो दिवसीय सीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से रविवार को संपन्न हुई। दोनों ही दिन प्रशासनिक अमला एक्शन मोड में रहा और परीक्षा की पारदर्शिता को लेकर किसी तरह की कोई ढिलाई नही बरती गई। दूसरे दिन रविवार को कुल 24738 परीक्षार्थियों में से 23338 परीक्षार्थियों ने दोनों सत्रों में परीक्षा दी। सुबह के सत्र में 11738 और शाम के सत्र में 11600 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 1400 बच्चे अनुपस्थित रहे।

डीसी, एसपी समेत अन्य अधिकारी रहे फील्ड में रहे और लगातार परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। परीक्षार्थियों को सुविधाजनक तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए रोडवेज ने भी पूरी सतर्कता दिखाई। हालांकि दो दिनों में प्रशासन को मिले 25 जुडवाओं ने थोड़ी परेशानी जरूर पैदा की। बावजूद इसके वेरिफिकेशन व अन्य जांच के बाद इन बच्चों की भी परीक्षा दिलवाई गई। इसके अलावा बायोमेट्रिक को लेकर भी थोड़ी परेशानी रही।दोनों दिन में कुल 49738 परीक्षार्थियों में से 46746 ने दी परीक्षा पहले दिन 24996 में से 23408 परीक्षार्थियों ने दी दोनों सत्रों में परीक्षा पहले सत्र में 11589 और दूसरे सत्र में 11819 परीक्षार्थियों ने पेपर दिया 1588 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इसी तरह दूसरे दिन रविवार को कुल 24738 परीक्षार्थियों में से 23338 परीक्षार्थियों ने दोनों सत्रों में परीक्षा दी। सुबह के सत्र में 11738 और शाम के सत्र में 11600 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 1400 बच्चे अनुपस्थित रहे। दोनों दिन कुल 49738 परीक्षार्थियों में से 46746 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दोनों ही दिन कुल 2988 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

सील चेक करवाए बिना बांटा पेपर, जताई आपत्ति

रायचंदवाला रोड पर दालमवाला पब्लिक स्कूल में बने परीक्षा सेंटर पर अभ्यार्थियों को प्रश्न पत्र की सील चेक करवाए बिना ही पेपर बांट दिया। इस पर कुछ अभ्यार्थियों ने आपत्ति जताते हुए इसका विरोध किया। हिसार निवासी प्रवीन ने एचएसएससी चेयरमैन को दी शिकायत में बताया कि उसका रविवार को सुबह की शिफ्ट में पेपर था। उसका सेंटर दालमवाला पब्लिक स्कूल ब्लॉक बी के कमरा नंबर 18 में आया हुआ था। एचएसएससी की गाइडलाइन के अनुसार प्रश्न पत्र और ओएमआर सीट बांटने से पहले इसकी सील चेक करवाना जरूरी होता है। इसके लिए परीक्षार्थियों की सहमति के बाद ही प्रश्न पत्र बांटा जाता है। कमरा नंबर 18 में ड्यूटीरत स्टाफ ने प्रश्न पत्र की सील चेक और अभ्यर्थी के साइन करवाए बिना ही प्रश्न पत्र बांटने शुरू कर दिए। इस पर दो अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। कुछ देर बाद सुपरवाइजर को भी शिकायत दी। जिसके बाद साइन करवाए गए लेकिन उनके सामने प्रश्न पत्रो की सील नहीं खोली गई। कमरों में लगे सीसीटीवी को चेक किया जा सकता है। ऐसे में पेपर लीक होने जैसी घटना की आशंका रहती है। इस मामले की उचित जांच होनी चाहिए। एडीसी विवेक आर्य ने कहा कि वह मामले की जांच करेंगे। परीक्षा 2025 में दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए विशेष और सराहनीय सुविधाएं सुनिश्चित की गई। जो परीक्षार्थी चलने-फिरने में असमर्थ हैं, उनके लिए केंद्रों पर व्हीलचेयर की विशेष व्यवस्था की गई।

जींद। परीक्षा देने के बाद खुशी से अपने बच्चे को उठाए हुए मां व सुबह की शिफ्ट में परीक्षा देने जाने के लिए पहुंचे परीक्षार्थी।

मंगलसूत्र उतरवाने पर मना करने पर बताई गाइडलाइन

राजकीय महाविद्यालय में सीईटी परीक्षा के दौरान एक महिला उम्मीदवार से मंगलसूत्र उतरवाने की मांग को लेकर हंगामा हो गया। जब हिसार के गुल्लेरी गांव से आई एक विवाहित महिला को परीक्षा केंद्र के कर्मचारियों ने मंगलसूत्र उतारने के लिए कहा तो उसने उतारने से मना कर दिया। महिला के पति ने इस पर कड़ा विरोध जताया। उनका कहना था कि गाइडलाइंस में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि विवाहित महिलाएं मंगलसूत्र पहन कर परीक्षा हॉल में प्रवेश कर सकती हैं। इसके बावजूद मेटल डिटेक्टर से जांच कर रहे कर्मचारियों ने मंगलसूत्र निकालने की मांग की है। जिससे महिला को करीब एक घंटे तक परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर रोका गया। महिला के पति ने बताया कि मंगलसूत्र निकालना हिंदू संस्कृति में अपशकुन माना जाता है। उस दिन हरियाली तीज भी थी और यह हमारी धार्मिक भावनाओं के खिलाफ है। मंगलसूत्र उतारने के बाद ही परीक्षा देने दिया गया।

परीक्षार्थी लेट हुआ तो जीएम ने भेजी अपनी गाड़ी

हिसार जिले के बहबलपुर गांव का रामधन दोपहर बाकी शिफ्ट में परीक्षा के लिए दो बजकर दो मिनट पर जींद बस अड्डे पर पहुंचा। रामधन का परीक्षा केंद्र दालमवाला पब्लिक स्कूल में था जो कि जींद शहर से बाहर गांव दालमवाला में स्थित है। परीक्षा में एंट्री का समय 2 बजकर 15 मिनट तक का था। रामधन परीक्षा के लिए लेट होता दिखा तो जीएम राहुल जैन ने अपनी गाड़ी में बैठा कर ड्राइवर को परीक्षा केंद्र तक छोडने के निर्देश दिए। ड्राइवर रविंद्र ने टीम सदस्य अनूप लाठर के साथ रामधन को समय पर स्कूल पहुंचाया।

बस स्टैंडों पर भी की गई विशेष व्यवस्थाएं

जिला प्रशासन द्वारा बस स्टैंड पर परीक्षार्थियों के लिए विश्राम स्थल, स्वच्छ पेयजल, खानपान और साफ.-सुथरे शौचालयों जैसी बुनियादी सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई थी। विशेष रूप से दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए व्हीलचेयर की अतिरिक्त व्यवस्था की गई। सरकार की इस व्यवस्था से प्रभावित होकर परीक्षार्थियों के साथ-साथ अभिभावाकों ने भी खुलकर प्रशंसा की। गांव दालामवला की अंशुल ने कहा कि सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं के कारण परीक्षा देने में पूरा सहयोग मिला।

परीक्षार्थियों ने जताया संतोष और आभार

परीक्षा देने के बाद हिसार की रेनू ने बताया कि परीक्षा देकर उन्हें खुशी है और आवागमन में किसी तरह की कोई परेशानी नही हुई है। सरकार की इस सुविधा से मानसिक बोझ कम हुआ है। न समय की चिंता रही, न खर्च का डर। हमने पूरी ऊर्जा से परीक्षा में ध्यान केंद्रित कर परीक्षा दी। महिला परीक्षार्थी के लिए उनके सहयोगी परिजनों को भी निःशुल्क परिवहन सुविधा मुहैया करवाई है।

दो दिवसीय परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न : डीसी

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग कि हिदायतों की पालना करते हुए जिला प्रशासन द्वारा हर गतिविधि पर पैनी नजर रखकर जिला में सीईटी की परीक्षाओं को पारदर्शिता के साथ समपन्न करवाया गया। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई परिवहन व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों की सर्वत्र सराहना हो रही है। जिला से अन्य जिलों से परीक्षार्थी पहुंचे और इस जिला से दूसरे जिलों में परीक्षार्थियों को भेजने के लिए रोडवेज बसें सुबह साढ़े तीन बजे से रवाना होनी शुरू हो गई थी। रविवार को परीक्षा के दूसरे दिन जिले में सभी 49 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। पूरे जिले में सभी परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से दोनों सत्र की परीक्षा संपन्न हुई।सभी संबंधित विभागों ने समर्पित भाव से कार्य किया जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। जिले में ठहरने वाले परीक्षार्थियों के लिए बस अड्डा व धर्मशालाओं में रात्रि विश्राम और मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई। निगरानी के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए।

परीक्षार्थियों के लिए आवागमन बनाया आसान

मास्टर प्लान तैयार कर हरियाणा रोडवेज द्वारा चलाई गई निशुल्क विशेष बस सेवा उपलब्ध करवा कर परीक्षार्थियों के आवागमन को आसान बनाया। सीईटी परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों को बस स्टैंड से उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए शटल बस सेवा का प्रयोग हुआ। जो परीक्षार्थियों के लिए वरदान बनी। सुबह से ही बस स्टैंड पर जीएम रोडवेज राहुल जैन के दिशा-निर्देशन में हेल्प डेस्क व रोडवेज स्टाफ मौजूद रहा।

रात्रि ठहराव की व्यवस्था बनी सहायक

हिसार से परीक्षा देने पहुंचे सुमित ने कहा कि अभ्यर्थियों के लिए जिले की धर्मशालाओं व बस अड्डे पर रात्रि ठहराव, पेयजलए रोशनी और साफ.-सफाई भोजन की सुविधाएं जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गईं। इसके लिए अधिकारियों को इंचार्ज नियुक्त किया गया।

केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं लिया जायजा

डीसी मोहम्मद इमरान रजा व एसपी कुलदीप सिंह ने स्वयं परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और वहां किए गए प्रबंधों की जांच की। इसके अलावा रोडवेज महाप्रबंधक राहुल जैन ने स्वयं शटल सेवा के संचालन का निरीक्षण किया। उन्होंने बस स्टैंड बने हेल्प डेस्क, परीक्षार्थियों के लिए ठहराव व अन्य जरूरी व्यवस्था की समीक्षा की तथा परीक्षार्थियों से बातचीत कर उनकी प्रतिक्रिया भी ली।

पहले सत्र की परीक्षा होने के बाद सड़क पर लगा वाहनों जमावडा।

परीक्षा केंद्र के बाहर सिटिंग प्लान लगाते हुए।

अपने बच्चे के साथ परीक्षा देने आई मां।

जो अभ्यर्थी देर होने के कारण घर नहीं लौट सके आज भी एडमिट काई दिखाकर निशुल्क आ सकेंगे

सीईटी परीक्षा के दूसरे दिन जो अभ्यर्थी देर होने के कारण अपने घर वापस नहीं लौट सके, वह अभ्यर्थी सोमवार को भी एडमिट काड दिखाकर रोडवेज और परिवहन समिति की बस में परीक्षा केंद्र से अपने गृह जिला के लिए निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। 26 और 27 जुलाई को दो दिन तक सीईटी परीक्षा के दौरान रोडवेज, स्कूली बस, परिवहन समिति की बसों के माध्यम से अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी गई।

कैथलः 780 बसों के माध्यम से करीब 29 हजार परीक्षार्थियों को पहुंचाया चंडीगढ़ और पंचकूला

कैथल। सरकार के आदेशानुसार जिला प्रशासन ने परीक्षार्थियों को चंडीगढ़ व पंचकूला लेकर जाने के लिए पर्याप्त संख्या में बसों की व्यवस्था की थी। सीईटी परीक्षा 26 व 27 को 780 बसों के माध्यम से करीब 29 हजार परीक्षार्थियों को चंडीगढ़ व पंचकूला पहुंचाया गया। रोडवेज महाप्रबंधक कमलजीत ने बताया कि पहले दिन यानी 26 जुलाई को 380 बसों ने करीब 14 हजार अभ्यर्थियों को चंडीगढ़ व पंचकूला पहुंचाया। इसी प्रकार दूसरे दिन करीब 400 बसों में लगभग 15 हजार अभ्यर्थी चंडीगढ़ व पंचकूला पहुंचे और परीक्षा के बाद उन्हें वापस लाया गया। इसी प्रकार बसों के माध्यम से कैथल में परीक्षा देने आए जींद के करीब 87 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने शटल बस सेवा का लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दृष्टिगत 25 जुलाई को सायं से ही परीक्षाओं के लिए बसों की सुविधा शुरू कर दी गई थी। रोडवेज विभाग व आरटीए विभाग ने सभी बसों की व्यवस्था बड़े ही सुचारू ढंग से की थी। अग्रिम बुकिंग एप्प, हैल्प डेस्क व खाने पीने की व्यवस्थाएं की गई थी। सीईटी परीक्षा के लिए जिला प्रशासन कैथल ने परीक्षार्थियों को सफलतापूर्वक पेपर दिलवाया। जिला में 10 जगहों से बसों का संचालन किया गया। इनमें कैथल, पूंडरी, पाई, राजौंद, कसान, कलायत, सीवन, चीका, ढांड व सांघन के प्वाइंट शामिल हैं। सभी 10 जगहों पर हेल्प डेस्क का प्रबंध किया गया था। इस व्यवस्था में आरटीए गिरीश कुमार का भी अहम योगदान रहा।

जुलाना। बंग्लादेश सरकार द्वारा भेज गए प्रशस्ति पत्र दिखाते हुए परिजन।

1971 में शहीद सैनिक रामभगत के परिजनों को बंग्लादेश सरकार ने भेजा प्रशस्ति पत्र

जुलाना। जुलाना कस्बे के वार्ड एक निवासी रामभगत के परिजनों को बंग्लादेश सरकार ने 1971 में स्वाधिनता संग्राम में अहम योगदान देने पर प्रशस्ति पत्र भेजा है। रामभगत 1971 में सैना में लड़ते हुए शहीद हो गए थे। भारत के सैनिकों ने बंग्लादेश के स्वाधीनता संग्राम में अहम योगदान देने पर बंग्लादेश सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र भेजा है। बंग्लादेश सरकार ने अपनी 50वीं वर्षगांठ मनाते हुए वीर शहीदों को याद किया और उनके परिजनों को प्रशस्ति पत्र भेजे गए। पूर्व सैनिक नरेंद्र लाठर ने कहा कि शहीदों की बदौलत ही आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि शहीद रामभगत द्वितीय जाट रेजमेंट में सेवारत थे। उन्होंने अपने साहस का परिचय देते हुए लड़ाई लड़ी जोकि सबके लिए गौरव की बात है। प्रशस्ति पत्र पर तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और राष्ट्रपति अब्दुल हमीद के हस्ताक्षर हैं। बंग्लादेश सरकार ने यह पत्र वर्ष 2018 में भेजा गया था लेकिन सात साल के लंबे अरसे के बाद शहीद के परिजनों को यह प्रशस्ति पत्र मिला है।

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, तीन घायल

जींद। गांव अंटा के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किशोरी की मौत हो गई। जबकि दो बच्चों समेत तीन लोग घायल हो गए। दोनों घायल बच्चों का पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। सदर थाना सफीदों पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव सफीदों निवासी विक्की (30) अपनी भतीजी लक्ष्मी (15), भतीजे हिमांशु (10) शिवम (8) को बाइक पर लेकर कोथली देने पानीपत जा रहा था। गांव अंटा के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार चारों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना को अंजाम देकर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। चारों घायलों का उपचार के लिए नागरिक अस्पताल सफीदो लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया। जबकि हिमांशु तथा शिवम की गंभीर हालात देख पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया।

एचएसएससी चेयरमैन मैदान में उतरे केंद्रों का लिया जायजा

- दो दिन बार जारी की जाएगी सीईटी प्रश्न पत्र की आंसर की

एचएसएससी चेयरमैन ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने रविवार को जींद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रों मे दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और कहा कि आगामी एक माह में रिजल्ट डिक्लेयर करने का प्रयास रहेगा और और आगामी दो-तीन दिन में परीक्षा प्रश्न पत्र की की गई जारी कर दी जाएगी। इस अवसर पर उनके साथ डीसी मोहम्मद इमरान रजा, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, एएसपी सोनाक्षी सिंह आदि मौजूद रहे। एचएसएससी के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि प्रदेश के युवाओं में सीईटी परीक्षाओं को लेकर विशेष जोश है। इन परीक्षाओं में करीब 90 प्रतिशत युवा भाग ले रहे हैं। परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए बसों की समुचित व्यवस्था की गई है। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए उनके घर द्वार से परीक्षा केंद्रों तक लाने व ले जाने के लिए प्रशासन द्वारा बहुत ही अच्छा इंतजाम किया गया। आज गांव देहात में सीईटी की महत्ता का युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों को भी पता चला है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में परीक्षा का संचालन शांतिपूर्ण व पारदर्शिता के साथ हुआ। जिसके लिए परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी बधाई के पात्र है। कई परीक्षार्थियों से बातचीत की गई है और उन्होंने परीक्षा केंद्रों में दी जा रही व्यवस्थाओं से संतुष्टि जाहिर की है। इस बार परीक्षार्थियों का रूझान बेहद उत्साहजनक रहा है। इसलिए इतनी बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी है। इस मौके पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने एचएसएससी के चेयरमैन हिम्मत सिंह को जानकारी देते हुए बताया कि जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्रों तक परीक्षार्थियों को पहुंचाने के लिए शटल बस सेवा की सुविधा दी गई। इसके साथ-साथ सरकारी वाहनों को भी रिजर्व में रखा गया है। जिला के दिव्यांग परीक्षार्थियों से बात की और उनकी सहमति से उन्हें उनके घर द्वार से ही ग्राम सचिव व अन्य कर्मचारियों के माध्यम से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया गया। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत व्यापक प्रबंध किए गए हैं। केंद्रों की परिधि के अलावा बाहरी क्षेत्रों में भी अतिरिक्त पुलिसबल की तैनाती की गई है।

जींद। परीक्षा केंद्र पर बातचीत करते हुए एचएसएससी चेयरमैन हिम्मत सिंह व एसपी कुलदीप सिंह।

जिले मे सीईटी परीक्षा के सफल आयोजन मे सराहनीय रही पुलिस की भूमिका

जींद। जिले मे हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन द्वारा दो दिवसीय आयोजित सीईटी की परीक्षा शांतिपूर्ण तथा नकल रहित संपन्न होने पर एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि पुलिस अधिकारियों तथा कर्मियों का कार्य सराहनीय रहा है। जिन्होंने जिले में कानून व्यवस्था बनाने रखने के साथ परीक्षा के दौरान अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जिले में सीईटी परीक्षा को लेकर 35 लोकेशन पर 49 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा को सुरक्षित माहौल में व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता रही है। जिले में आठ यातायात नाकों सहित 26 पुलिस नाके लगाए। जिले में 1260 जवान व अधिकारीयों ने सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेवारी संभाली। सभी पर्यवेक्षण अधिकारी, थाना प्रभारी, क्राइम यूनिट प्रभारी, चौकी इंचार्ज ने सावधानी व सतर्कता के साथ अपना कार्य किया। रविवार को उन्होंने एचएसएससी चेयरमैन हिम्मत सिंह, डीसी मोहम्मद इमरान रजा, एसपी सोनाक्षी सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सिंह के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षार्थियों की सुविधाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय परीक्षा को लेकर पुलिस अधिकारियों तथा कर्मियों ने अलर्ट मोड में रह कर अपनी ड्यूटी सही तरीके से की है।

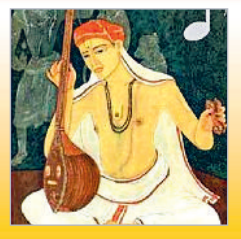

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं

डेरु, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें श्रृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

> हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

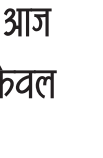

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या ।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या ।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या ।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या ।
तनै त्योहार पै आणा छोड्या, तूँ कती निस्तरग्या ।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट नै पड़वावैं सै ।
काणी कूट बता कै देखो, फ्रंट रोड का चाहैं सैं ।
रोज दूसरे लोग आण के, इनने न्यूँ बहकावैं सैं ।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाहक- भतेरे आवैं सैं ।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या ।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै ।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै ।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै ।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै ।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या ।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये ।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये ।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये ।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये ।
किते डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | **रणबीर सिंह दहिया**

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकेजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच कै खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ।।

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र | **अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी**

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | **राज कुमार नरवाल**

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | **ओंकारेश्वर पांडेय**

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें

केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

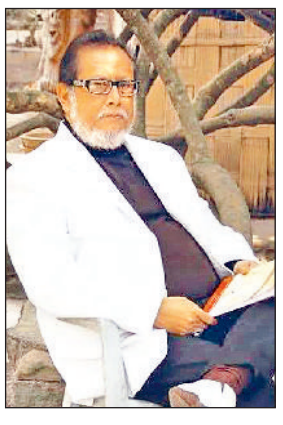

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

खबर संक्षेप

खाते से रुपये निकालने का एक आरोपित काबू

जींद। साइबर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी कर यू ट्यूबर के खाते से 108997 रुपये निकालने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। अर्बन एस्टेट निवासी यू ट्यूबर जगदीप ने गत 26 मार्च को साइबर पोर्टल पर दी शिकायत में बताया था कि गत 23 मार्च को उसने अपने खाते का बैलेंस चेक किया था। जिसमें उसके लगभग एक लाख नौ हजार रुपये कटे हुए थे।

तीन दिवसीय गौ कथा का समापन

उचाना। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी गणेशानंद महाराज धर्मार्थ न्यास उचाना कलां द्वारा संचालित बाबा दूधाधारी हरि गिरि गौशाला उचाना मंडी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय गौ कथा कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर गौ.सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग पहुंचे। प्रमुख समाज सेवी वीरेंद्र करसिंधुए नपा प्रधान विकास कालाए दिलबाग संडील भी अंतिम दिन कथा में मुख्य रूप से पहुंचे।

बुजुर्ग समाज की धरोहर होते हैं: जीवन सिंह नैन

गुहला-चीका। भारतीय समाज में बुजुर्गों का खास महत्व है। परिवारों पर जब जब भी मुश्किल समय आता है तो घर के बड़े बुजुर्ग अपने अनुभव के बल पर परिवारों का मार्ग दर्शन कर उन्हें मुश्किल समय से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाते है। बुजुर्गों की देखभाल करना हमारा नैतिक कत्र्तव्य के साथ साथ कानूनी दायित्व भी है।

'मन की बात' का 124वां एपिसोड हर्षोल्लास से सुना

कैथल। भारतीय जनता पार्टी कैथल की जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत 'मन की बात' के 124वें एपिसोड को विशेष रूप से हरियाली तीज के शुभ अवसर पर कृष्ण बंसल के मॉडल टाउन स्थित प्रतिष्ठान पर आयोजित कार्यक्रम में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं व गणमान्य नागरिकों ने एक साथ बैठकर सुना। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने ऐतिहासिक प्रगति की है।

पूर्व विधायक व कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मन की बात'

कैथल। देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' का 124वां संस्करण प्रसारित हुआ। इस अवसर पर कैथल जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक लीला राम ने अपने निवास स्थान पर बूथ संख्या 156 के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम के उपरांत कार्यकर्ताओं के बीच देशहित के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

मोदी जनता से करते हैं मन की बात: हजवाना

पूंडरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर महीने देश की 140 करोड़ जनता से सीधा संवाद मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से करते हैं। यह विचार भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष हजवाना ने भाजपा नेता हरीश शर्मा के ढांड मार्ग स्थित प्रतिष्ठान पर अपने बूथ नंबर 79 पर लाइव देखने के पश्चात पत्रकार वार्ता में व्यक्त किए।

कैथल। डीसी प्रीति सीइटी परीक्षा केंद्र का दौरा करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

कैथल। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की बायोमीटिक जांच करते कर्मचारी।

कैथल। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व रोल नंबर की जांच करती महिला पुलिस कर्मचारी।

कैथल। परीक्षा केंद्र में महिला पुलिस कर्मचारी परीक्षार्थी की रोल नंबर ढूढने में मदद करते हुए।

दो दिन जिले में नहीं लगने दिया जाम, बेहतरीन सुविधा देख गदगद हुए परीक्षार्थी

34 हजार से अधिक बच्चे आए, सात सौ जवानों ने संभाली कमान

परीक्षा केंद्रों के अंदर व बाहर मुस्तैदी से ड्यूटी दी, जिले में दोनों दिन करीब 34 हजार से अधिक बच्चे कैथल में आए

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

जिले में आयोजित सीईटी परीक्षा के लिए जिले में दो दिनों तक सुरक्षा व यातायात सुविधा संभालने के लिए सात सौ से अधिक पुलिस कर्मचारियों की टीम डटी रही। पुलिस जवानों ने शहर में विभिन्न निजी व रोडवेज बसों के संचालन सहित बाहर से आए परीक्षार्थियों के निजी वाहनों की भीड़ के बीच जाम की स्थिति नहीं बनने दी। यातायात पुलिस ने जहां सड़कों पर जिम्मेदारी संभाली, वहीं अन्य पुलिस जवानों ने परीक्षा केंद्रों के भीतर व बाहर सुरक्षा व्यवस्था संभाली। शहर में पिहोवा चौक से लेकर सभी चौक-चौराहों पर पुलिस कर्मचारी तैनात रहे।

वहीं परीक्षा केंद्रों के अंदर व बाहर मुस्तैदी से ड्यूटी दी। जिले में दोनों दिन करीब 34 हजार से अधिक बच्चे कैथल में आए और करीब 65 हजार से अधिक बच्चे जिले से बाहर गए। इन सभी बच्चों व परिजनों के वाहनों के आवागमन के दौरान पुलिस ने यातायात व्यवस्था को बखूबी संभाला। विशेष रूप से बस अड्डे के बाहर भी जाम की स्थिति नहीं बनने दी। शहर में करीब 90 शटल बसें परीक्षार्थियों को लेकर आती-जाती रहीं। साथ ही लोगों के अपने वाहन भी शहर में आए। शहर में ईआरवी, बाइक राइडर, होमगार्ड के जवानों ने यातायात व्यवस्था को संभाला।

पूंडरी। बस स्टैंड पर देर रात निरीक्षण करते हुए विधायक सतपाल जांबा।

सीईटी परीक्षा के लिए परिवहन प्रबंध सशक्त विधायक सतपाल जांबा ने खुद संभाली कमान

पूंडरी। हरियाणा में आयोजित कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) को लेकर शनिवार रात से ही प्रदेशभर में तैयारी और उत्साह का माहौल रहा। पूंडरी क्षेत्र से परीक्षा देने जा रहे विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हरियाणा परिवहन विभाग द्वारा विशेष बस सेवा की व्यवस्था की गई। पूंडरी और ढांड बस स्टैंड से देर रात 2 बजे से ही विद्यार्थियों को विभिन्न परीक्षा केंद्रों के लिए रवाना किया गया।इस व्यवस्था की निगरानी खुद हल्का विधायक सतपाल जांबा ने की। वे रात 2 और 3 बजे दोनों बस स्टैंडों पर पहुंचे और विद्यार्थियों को रवाना करने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने बस चालकों और परिचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, विशेष रूप से पानी और बैठने की सुविधा का समुचित ध्यान रखा जाए। विधायक जांबा ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों का भविष्य सर्वोपरि है। इस परीक्षा के लिए विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। इसी दौरान एक भावुक कर देने वाला दृश्य तब देखने को मिला जब एक महिला अभ्यर्थी अपने महज 15 दिन के नवजात शिशु को गोद में लिए पंचकूला स्थित परीक्षा केंद्र के लिए रवाना हुई। यह उदाहरण छात्रों की परीक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और संघर्ष भावना को दर्शाता है। यात्रा व्यवस्था को लेकर विद्यार्थी और उनके अभिभावक संतुष्ट नजर आए।

अभ्यर्थियों ने सरकार व जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की खुलकर प्रशंसा की, बोले- बेहतरीन व्यवस्था की गई

कैथल। दो दिन तक चली सीईटी परीक्षा में प्रदेश सरकार के आदेशानुसार जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और सुगम तरीके से परीक्षा संपन्न करवाने के लिए अभूतपूर्व प्रबंध किए। रोडवेज की मुफ्त बस सेवा के साथ साथ बस स्टैंड से परीक्षा केंद्र तक निशुल्क शटल बसें मुहैया करवाई गई। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न इसको लेकर रोडवेज, विभिन्न निजी स्कूलों के चालक-परिचालक पसीना बहाते नजर आए। अभ्यर्थियों ने सरकार व जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की खुल कर प्रशंसा की और कहा कि नायब सरकार ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए नायाब प्रबंध किए थे। जिसकी वजह से परीक्षार्थियों बिना किसी परेशानी के परीक्षा दे पाए।

सभी बच्चे सीट पर बैठ कर आए

सविता

जींद से कैथल परीक्षा देने आई सविता ने कहा कि कैथल आने के लिए बस की सुविधा बहुत अच्छी रही। पहले एक बस में कई-कई सवारियां आती थी, खड़ा होने के लिए भी जगह नहीं मिलती थी लेकिन इस बार सभी बच्चे सीट पर बैठ कर आए और बिल्कुल सुविधा से आए। कैथल बस स्टैंड से भी शटल बस ने सेंटर पर समय पर पहुंचा दिया था।

सीएम साहब का धन्यवाद

नसीहत

नरवाना से कैथल सीईटी की परीक्षा देने आई नसीहत ने कहा कि सीएम साहब का बहुत बहुत धन्यवाद जो उन्होंने हमें आने जाने के लिए इतनी अच्छी सुविधा दी। नरवाना से कैथल के लिए सीधी बस मिल गई थी। यहां कैथल पहुंचते ही आगे आगे बसें मिल गई थी। यात्रा बिल्कुल निशुल्क थी। हमारा एक भी पैसा नहीं लगा। बसों के आगे पोस्टर लगाए हुए थे कि कौन सी बस किस सेंटर पर जाएगी।

कैथल। भंडारा लगाते श्री नर नारायण सेवा समिति कैथल के सदस्य।

सामाजिक संस्थाओं ने की परीक्षार्थियों और उनके परिजनों की सेवा

- खाने-पीने व रहने की बेहतरीन सुविधा करवाई उपलब्ध
- डीसी प्रीति ने सीईटी परीक्षा के सफल आयोजन पर बढ़ाया हौंसला

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

सीईटी परीक्षा के सफल आयोजन में हरियाणा सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर बेहतरीन कार्य किया। उन्होंने सीईटी में आए परीक्षार्थियों व उनके परिजनों की सेवार्थ खाने-पीने व रहने की बेहतरीन व्यवस्था की। वैष्णो सेवा समिति ने आरकेएसडी कॉलेज, जाट कॉलेज व जाखौली अड्डा स्थित राजकीय स्कूल के सामने चाय, पानी व कड़ी-चावल की व्यवस्था की गई। अन्य सुविधाएं जैसे धूप से बचने के लिए टेंट, कुर्सियां आदि व्यवस्था भी की। आने-जाने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसको लेकर कूलर व पंखों की व्यवस्था भी की गई।

शिविर लगाया

डीसी प्रीति भी आरकेएसडी कॉलेज के सामने समाज सेवी संस्था मां वैष्णो देवी द्वारा लगाए गए शिविर में पहुंची और वहां पर उपलब्ध करवाई जा रही सेवा के बारे में जानकारी हासिल की। जहां समाजसेवी संस्था की ओर से कुलदीप शर्मा ने डीसी को बताया कि सीईटी परीक्षार्थियों को खाने-पीने, ठहरने आदि की पूरी व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों जीवन, विपिन मुंजाल, प्रदीप ऊर्फ टीटू, राजकुमार रहेजा, देवेंद्र शर्मा, गोल्डी, अरविंद मौजूद रहे।

प्रदेश के हालात बद से बदतर हो चुके हैं: रामपाल माजरा

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

मंगलवार 29 जुलाई को इनेलो पार्टी ने राष्ट्रीय एवं राज्य कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक कैथल में आरकेएम पैलेस में रखी है। इस बैठक में राष्ट्रीय एवं राज्य कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सदस्य, जिला, जिला शहरी एवं हलका अध्यक्ष, सभी प्रकोष्ठों के राज्य एवं जिला संयोजक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद और प्रदेश एवं जिला प्रवक्ता शामिल होंगे।

इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला सभी जिला, हलका प्रधानों के साथ साथ सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों से उनके द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट लेंगे। इस बैठक में पार्टी के दिशा निर्देशों का पालन किया गया है या नहीं इस पर पूरी गंभीरता के साथ मंथन किया जाएगा और अगर कोई भी पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को नहीं निभाता हुआ मिला तो उसकी जगह किसी जिम्मेदार व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। रामपाल माजरा ने बताया कि इस बैठक में खत्म हो चुकी कानून व्यवस्था, खाद की कमी और बिजली के बढ़े दामों पर भी चर्चा की जाएगी और इन तीनों मुद्दों पर प्रस्ताव भी पास किया जाएगा। आज मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस हरियाणा के बद से बदतर हो चुके हालातों और गुंडाराज पर मौन हैं।

त्रैमासिक सेवा दल कैंप का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

चीका खरोदी रोड स्थित निरंकारी सत्संग भवन में त्रैमासिक सेवा दल कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत से हुई, जिसके बाद पीटी परेड का आयोजन हुआ।

इस परेड का संचालन क्षेत्रीय संचालक विक्रम सिंह लांबा ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सेवा को निष्काम भाव से करना चाहिए और सच्चे सेवक का सांसारिक जीवन भी अनुशासित एवं आदर्श होना चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि सेवक का व्यवहार, लेन-देन और सोच सभी संतुलित होने चाहिए ताकि समाज में उसकी छवि आदर्श सेवक के रूप में बने।

शहीदों के नाम पर पौधा रोपण वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि : बाजीगर

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

रविवार को रोटरी क्लब चीका द्वारा शहर के वार्ड नंबर 16 इंडस्ट्रीयल एरिया में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के तहत कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीरों के नाम से पौधे लगाए गए और हर एक पौधे पर शहीद के नाम की प्लेट लगा उन वीर शहीदों को याद किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर ने कल्ब के प्रधान नरेश जैन, साल 2026-27 के प्रधान डॉ. सतीश मित्तल, संरक्षक संजीव बंसल, पुनित बंसल, डॉ विरेंद्र बंसल, सुनील शाह, सुरेश सेठी, नरेश गर्ग, विजय गर्ग, पवन गर्ग, संजीव जिंदल, डॉ. अतुल चानना, राजीव कुमार आदि ने शहीदों के नाम से पौधे लगाए। कल्ब के प्रधान नरेश जैन व डॉ. सतीश मित्तल ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करवाना हम सबकी जिम्मेवारी बनती है। नरेश जैन ने कहा कि रोटरी कल्ब चीका समय समय पर समाज सेवा के कार्य करता आ रहा है।

गुहला-चीका। कुलवंत बाजीगर व रोटरी कल्ब चीका के सदस्य पौधा रोपण करते हुए।

पवनार पब्लिक स्कूल में तीज उत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

पवनार पब्लिक स्कूल में तीज उत्सव का शानदार आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य जोगिंदर ढूल ने बताया कि इस अवसर पर विद्यालय में कक्षा 6 से 10 के बच्चों ने कार्यशाला में पतंग बनाए तथा आकाश में उड़ाकर आनंद लिया। कक्षा 6 से 8 की छात्राओं द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक ज्योति संधु तथा राकेश पंजेठा के निर्देशन में गीता दत्त व अनु शर्मा की मदद से प्राथमिक कक्षाओं की कार्यशालाओं में विद्यार्थियों द्वारा सावन के झूले 'तीज' श्रृंखला बनाकर तीज उत्सव को सार्थक बनाया। विद्यालय की छात्राओं तथा अध्यापिकाओं ने झूले पर झूलते हुए हरियाली तीज के गीतों पर नृत्य किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य एवं विद्यालय की प्रबंधक राजश्री ने अध्यापकों अभिभावकों तथा बच्चों को तीज की बधाई दी। सभी ने मीठा प्रसाद ग्रहण कर उत्सव का समापन किया।

कैथल। तीज पर्व पर पतंगबाजी करते पवनार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी।

फीका रहा तीज त्योहार, पेड़ों पर नहीं नजर आए झूले, घरों में झूले डाल कर झूले बच्चे

उचाना। साल दर साल त्योहारों को लेकर लोगों का उत्साह खत्म होता जा रहा है। पहले तीज के पर्व से कई दिन पहले ही पेड़ों पर झूले डलने शुरू हो जाते थे। महिलाएं गांव में टोलियां बना कर झूला झूलने जाती थी। कई सालों से लगातार साल दर साल त्योहार पर आधुनिकता की मार पडने लगी है। त्योहार सिर्फ नाम के रह गए है। पेड़ों पर न तो झूले नजर आए न ही झूला झूलने वाले दिखाई दिए। घरों में जरूर बच्चे झूले डाल कर झूला झूलते नजर आए। कुछ गांव में जरूर तीज उत्सव मनाया गया लेकिन जो उत्साह पहले पर्वों को लेकर होता था वो नजर नहीं आया। अब लोग घर में रहकर ही त्योहारों को मनाने लगे है।

रायला चीका द्वारा तीज महोत्सव का आयोजन

गुहला-चीका। रोटरी कल्ब चीका के महिला विंग (रायला) द्वारा शनिवार को तीज महोत्सव मनाया गया। शहर के कोर्ट रिंगालिया होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में रायला की चेयरमैन टीना विर्क ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर रायला चीका की फस्र्ट लेडीज सीमा जैन के साथ डॉ. मीनू मित्तल, निशा गोयल, डॉ निधि बंसल, डॉ शालू चानना ने चेयरमैन टीना विर्क का स्वागत किया। चेयरमैन टीना विर्क ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं को संबोधित करते हुए चेयरमैन टीना विर्क ने कहा कि तीज हरियाणा का प्रमुख त्योहार है और यहां के लोग इसे बड़े ही उत्साह से मनाते है। उन्होंने कहा कि इस दिन जब महिलाएं झूलों पर झूलते हुए लोक गीत गाती है उमंग व उत्साह का एक अलग ही माहौल बन जाता है।

सीसीटीवी से खुलेंगे झूठे आरोपों के राज

- कन्या स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत का मामला
- दोषी हो सकता है बेनकाब
- शिकायकर्ता की पहचान के लिए प्रिंसिपल ने पकड़ी कानून की राह
- डीसी ने एसपी को मार्क की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला चीका

गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल चीका के प्रिंसिपल अशोक कुमार ने अपने ऊपर लगाए गए झूठे यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर अब कानूनी कार्रवाई की राह पकड़ ली है। ताजा घटनाक्रम में अशोक कुमार ने अपनी पत्नी नीरू गुप्ता और वकील बेटे हर्षित के साथ कैथल की उपायुक्त प्रीति से मुलाकात की और उन्हें एक लिखित शिकायत सौंप कर झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध पुलिस जांच की मांग की। डीसी ने यह शिकायत पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के नाम मार्क कर दी है। परिवार समेत डीसी कार्यालय पहुंचे अशोक कुमार ने कहा कि इस झूठी शिकायत ने उनके जीवन भर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है। दोषी व्यक्ति की पहचान और सजा के बाद उन्हें कुछ ना कुछ संतोष जरूर हासिल होगा। प्रिंसिपल अशोक कुमार ने कहा कि वे सोमवार को अपने परिवार सहित एसपी आस्था मोदी से भी मुलाकात करेंगे और आग्रह करेंगे कि इस मामले में साजिशकर्ताओं की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए। सूत्रों से जानकारी मिली है कि यह गुमनाम शिकायत चीका के एक इंटरनेट कैफे से मेल द्वारा डीसी कैथल और अधिकारियों को भेजी गई थी।

जांच में झूठे पाए गए थे आरोप

यह मामला जून महीने के अंतिम सप्ताह में तब सामने आया था जब डीसी कैथल को गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल चीका की एक कथित छात्रा की ओर से गुमनाम पत्र मिला। पत्र में आरोप लगाए गए थे कि प्रिंसिपल छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार करते हैं और महिला अध्यापिकाओं को घंटों तक अपने ऑफिस में बैठाए रखते हैं।

सीईटी के चलते आईटीआई के दाखिला शेड्यूल में बदलाव

अब दस्तावेज की सत्यापन की जांच 28 जुलाई तक

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

26 और 27 जुलाई को हुई सीईटी परीक्षा के चलते आईटीआई के दाखिला शेड्यूल में बदलाव किया गया है। पहले तीसरी मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को 26 जुलाई तक दस्तावेज सत्यापन और फीस जमा करवाने की अंतिम तिथि 27 जुलाई निर्धारित की थी। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण द्वारा जारी नए शेड्यूल के अनुसार अब दस्तावेज की सत्यापन की जांच 28 जुलाई और फीस जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई रहेगी। इसके अलावा चौथी मेरिट लिस्ट को लेकर भी शेड्यूल जारी किया गया है। आईटीआई में तीन मेरिट लिस्ट के बाद भी अगर सीट खाली रहेंगी तो फिर चौथी मेरिट लिस्ट के आधार पर दाखिला प्रक्रिया जारी रहेगी। जबकि पहले विभाग द्वारा केवल तीन मेरिट लिस्ट तक का ही शेड्यूल जारी किया गया था। 30 को चौथे राउंड के लिए खाली सीटों की सूची जारी होगी।

जींद। दाखिला प्रक्रिया के लिए आए अनुदेश। *फोटो: हरिभूमि*

आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया तेजी से जारी

कैथल रोड स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) जींद और राजकीय महिला आईटीआई जींद में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया तेजी से जारी है। विभाग द्वारा जारी की गई तीसरी मेरिट सूची के अनुसार राजकीय आईटीआई जींद में 297 विद्यार्थियों और महिला आईटीआई में 13 विद्यार्थियों का चयन किया गया था। संस्थान के प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने कहा कि चयनित विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से मोबाइल संदेश और फोन कॉल के माध्यम से सूचित किया जा रहा है ताकि वे समय पर अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकें। उन्होंने बताया कि मेरिट सूची में चयनित छात्रों को दस्तावेज सत्यापन की जांच और समय पर फीस भुगतान कर दाखिले की पुष्टि करनी आवश्यक है।

खबर संक्षेप

उचाना में होगा बठिंडा फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव

उचाना। समाज सेवी वीरेंद्र प्रधान के बेटे विनित चाहार के जन्म दिन के बारे में पता लगने पर हिसार कांग्रेस सांसद जयप्रकाश द्वारा केक मंगवा कर केक को काटने के साथ विनित चाहार की लंबी उम्र की कामना की। हिसार सांसद के आवास पर प्रमुख समाज सेवी वीरेंद्र प्रधान अपनी टीम के साथ गए हुए थे। सांसद जयप्रकाश ने बताया कि उचाना के लोगों द्वारा उचाना के स्टेशन पर जो गाड़ी नंबर 20409-20410 दिल्ली कैंट से बठिंडा सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन के टहराव की मांग की थी वो जल्द पूरी होगी। इस ट्रेन के ठहराव को लेकर रेल मंत्री को लिखे पत्र का जबाव आ गया है। जल्द ही इस ट्रेन का ठहराव उचाना में होगा। बड़ौदा गांव में जो रेलवे हालट बना है वहां पर भी फूट ओवर ब्रिज बनाया जाएगा।

उचाना कपास मंडी में हवन व भंडारा 29 को

उचाना। 29 जुलाई को कपास मंडी में शैड के नीचे हवन एवं भंडारा का आयोजन होगा। मंडी प्रधान विकास पंघाल ने बताया कि दा फूड ग्रेन डीलर एसोसिएशन एवं समस्त आढ़तियों द्वारा मिलकर इसका आयोजन किया जा रहा है। क्षेत्र में सुख, समृद्धि की कामना के साथ-साथ इंद्र देवता को प्रसन्न करने के लिए हवन का आयोजन होगा। हवन के बाद भंडारा का आयोजन होगा। हर साल सब मिल कर इस तरह का आयोजन करते है। तरह के आयोजन से एक-दूसरे के सहयोग की भावना भी पैदा होता है।

भेड़-बकरियों के झुंड में घुसी तेज रफ्तार थार

जींद। गांव घिमाना के निकट तेज रफ्तार थार गाड़ी ने भेड़ व बकरियों के झुंड को टक्कर मार दी। जिसमें एक बकरी की मौत हो गई। जबकि पांच भेड़ व बकरी घायल हो गई। सदर थाना पुलिस ने चरवाह की शिकायत पर फरार थार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव घिमाना निवासी दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह भेड़, बकरियों को चराने गया हुआ था। उसी दौरान तेज रफ्तार थार गाड़ी ने भेड़ तथा बकरियों का टक्कर मार दी। जिसमें एक बकरी की मौत हो गई। जबकि पांच भेड़ तथा बकरी की मौत हो गई। घटना के बाद चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

परोचा ने दी हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं

नरवाना। नरवाना शहर के प्रमुख समाजसेवी अंकुश परोचा ने हरियाली तीज के अवसर पर नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर बधाई दी। अंकुश परोचा जो कि नेशनल लोक दल के युवा नेता हैं और नेशनल लोक दल के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं और भविष्य में नरवाना से विधायक के दावेदार भी है।

चुनाव को लेकर बनाई एडहॉक कमेटी की नियत में खोट : ढांडा

चुनाव नहीं, सर्वसम्मति से बनाया जाए जाट धर्मार्थ संस्था का प्रधान

चुनाव के माध्यम से संस्था को कब्जाने की कोशिश : देवव्रत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जाट धर्मार्थ सभा के पूर्व प्रधान देवव्रत ढांडा। *फोटो : हरिभूमि*

जाट धर्मार्थ सभा के पूर्व प्रधान देवव्रत ढांडा ने कहा कि जाट धर्मार्थ चुनाव को लेकर बनाई एडहॉक कमेटी की नियत में खोट है। काफी संख्या में वोट काटे गए हैं। संस्था पर कब्जा करने के लिए अपने वोटर लिस्ट बनाई गई है। समाज के लोगों को लेकर एडहॉक कमेटी के मसूबो को सफल नही होने देगे। चुनाव को लेकर वे याचिका दायर करेंगे।

देवव्रत ढांडा रविवार को जाट धर्मशाला मे पत्रकारो के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे चुनाव कराने की बजाय सर्वसम्मति से प्रधान बनाने के पक्ष में हैं। अब दस अगस्त को चुनाव की तारीख घोषित की गई है। चुनाव को लेकर बनाई गई एडहॉक कमेटी ने सिर्फ 1149 वोटर की लिस्ट जारी की है। जबकि वोटर की संख्या 2971 होनी चाहिए। 1822 वोट काट दिए गए। जो कोलजियम बनाए गए हैं उसमे डीआईसी की अनुमति नही है। एडहॉक कमेटी ने अपनी मर्जी से 105 कोलजियम बना लिए। जिसमें भूगोलिक स्थिति को ध्यान मे नही रखा गया। समय के साथ सदस्यत बढते है, जबकि यहां पर कम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एडहॉक कमेटी ने संस्था को अपनी जागीर समझ लिया है। राजनीतिक प्रभाव में एडहॉक कमेटी काम कर रही है। जिसके बारे सीएम को अवगत कराया जाएगा। कटे हुए वोटों के साथ वे किसी भी सूरत में चुनाव को नही होने देंगे। संस्था को एक एकड़ जमीन 90 लाख रुपये में मिल रही थी लेकिन कुछ लोगो दो हजार गज जगह एक करोड छह लाख रुपये में खरीदी है। रजिस्टर के साथ टैंपरिंग की गई है। संस्था के सदस्य रणबीर नरवाल ने कहा कि उनके अलाके काफी वोट काटे गए हैं। उसका वोट भी काट दिया गया। संस्था में करोडों का घपला हो गया। जाट समाज ऐसी हरकतों का कभी बर्दाश्त नही करेगा। जो अधिकारी प्रभाव में काम कर रहे हैं, वे भी नपेंगे।

एडहॉक कमेटी चूज एंड पीक को चलने नही दिया जाएगा। संस्था को हथियाने की कोशिश करने वालो के मनसूबों को किसी भी सूरत मे सफल नही होने देंगे। इस मौके पर काफी संख्या में संस्था से जुड़े पूर्व पदाधिकारी तथा सदस्य तथा मौजिज लोग मौजूद रहे।

शुद्ध पर्यावरण स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी : सेव

जींद। सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट आफॅ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट ने रविवार सुबह महात्मा गांधी पार्क में श्रमदान किया। संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया यह 433वां अभियान था।

संस्था सदस्यों ने पार्क में पड़े हुए पॉलिथीन व अन्य कूड़ा को उठा कर यह संदेश देने का प्रयास किया कि लोगों ने पर्यावरण शुद्ध रखना चाहिए। स्वस्थ जीवन के लिए शुद्ध पर्यावरण होना अति आवश्यक है। सभी ने इसमें अपना सहयोग देना चाहिए। आजकल पौधारोपण का उचित समय हैए इसलिए पेड़.बनाने की मंशा के साथ पौधारोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का अमूल्य हिस्सा है।

स्वच्छता पर्यावरण का मुख्य हिस्सा है। सभी ने कूड़ा डस्टबिन में डालने की आदत अपनानी चाहिए और वे डस्टबिन नगर परिषद की गाड़ी को देना चाहिए। जब हम हर प्रकार का कूड़ा डस्टबिन में डालेंगे तो स्वच्छता अवश्य रहेगी। हमारा पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा। इस मौके पर बलबीर सिंह श्योकंद, डा. राजेंद्र सिंह, रोहताश गुप्ता, सूरजभान सिहाग, मनोज कुमार आदि साथियों अपना योगदान दिया।

जींद। झूला झूलते हुए महिलाएं।

नरवाना के विद्यालय में मनाई हरियाली तीज

- नगर परिषद चेयरपर्सन मुकेश मिर्धा रहीं मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना के एक निजी स्कूल में तीज महोत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि मुकेश मिर्धा पत्नी विशाल मिर्धा नगर परिषद चेयरपर्सन नरवाना ने शिरकत की। मुकेश मिर्धा नगर परिषद चेयरपर्सन नरवाना ने कहा कि भारत देश में बहुत से त्योहार मनाए जाते हैं लेकिन श्रावण मास में आने वाला हरियाली तीज का त्योहार बहुत ही प्रसिद्ध है।

इस दिन महिलाएं नए.नए कपड़े पहनकर झूले झूलती हैं भाई अपनी बहनों के घर कोथलिया लेकर जाते हैं ।और श्रावण मास में माता पार्वती और शिव का पुनर मिलन होने के कारण यह महीना हिंदुओं के लिए बहुत ही प्रसिद्ध माना जाता है। बारिश होने के कारण चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। मुख्य अतिथि मुकेश मिर्धा ने कहा कि स्कूल के विकास के लिए जिस चीज की भी जरूरत हो हम हर संभव सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। ऐसा आश्वासन दिया । मुख्य अतिथि ने कहा कि प्राचार्य गजेंद्र शर्मा स्कूल को को आगे बढ़ाने में स्कूल का विकास करने में बहुत मेहनत और ईमानदारी से काम कर रहे हैं। जिससे स्कूल के बच्चों को और उनके माता.पीताओं को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सके। मैं बधाई देती हूं और सुनीता मैडम पीटीआई ने बहुत बढिया से बच्चों की तैयारी करवाई और संगीत वाले मैडम ने भी बहुत अच्छे बच्चों की तैयारी करवाई और सारे स्कूल का स्टाफ ने प्रोग्राम को कामयाब करने में मदद की।

हरियाणा विस के डिप्टी स्पीकर ने जांची परीक्षार्थियों की व्यवस्थाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। परीक्षार्थियों के अभिभावकों से बातचीत करते हुए डा. मिड्ढा। फोटो : हरिभूमि

सीईटी परीक्षा के दूसरे दिन हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा रविवार को सफीदों रोड स्थित स्कॉलर्स स्कूल, हिंदू कन्या महाविद्यालय व हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सीईटी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे और परीक्षार्थियों तथा उनके साथ आए अभिभावकों से बातचीत की।

उन्होंने अभिभावकों से बातचीत की और परीक्षार्थियों से उन्हें उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। सभी परीक्षार्थियों ने सरकार द्वारा परीक्षा को लेकर किए गए प्रबंधों पर खुशी व्यक्त की। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि परीक्षा को लेकर जिस पारदर्शिता से प्रशासन ने काम किया है, उसके लिए वो डीसी मोहम्मद इमरान रजा, एसपी कुलदीप सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का साधुवाद करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी सरकार में पार्दर्शिता से काम हो रहा है। 2014 से पहले टेस्ट बाद में होता था लिस्ट पहले आ जाती थी लेकिन अब बिना पर्ची और खर्ची के नौकरी लगती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे मनोहरलाल ने जिस पारदर्शिता से नौकरी मैरिट आधार पर देने का काम किया था, वही पारदर्शिता अब नायब सैनी सरकार अपना रही है।

हरियाली तीज समारोह में पलक जिंदल बनी तीज क्वीन

जींद। भारत विकास परिषद जयंती शाखा जींद द्वारा हरियाली तीज का त्यौहार बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महिला प्रमुख मोनिका बंसल व पिंकी बंसल द्वारा दीप प्रज्जवलन करके की गई। तीज के पारंपरिक गीत, नृत्य और प्रतियोगिताओं के साथ माहौल उल्लासमय रहा। इस अवसर पर पलक जिंदल को तीज क्वीन का खिताब प्रदान किया गया। इसके साथ-साथ भारत विकास परिषद द्वारा संचालित निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं ने अपने अनुभव सांझा किए। सिलाई केंद्र ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सहभागिता की भावना से मिलजुल कर आनंद लिया।

विवि के अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों ने कैबिनेट मंत्री बेदी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कैबिनेट मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए हुकटा सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा यूनिवर्सिटीज कांट्रैक्टचुअल टीचर्स एसोसिएशन (हुकटा) की बीपीएस महिला यूनिवर्सिटी खानपुर कलां के रीजनल सेंटर खरल की ईकाई ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को सेवा, सुरक्षा की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। मंत्री बेदी ने विश्वास दिलाया कि आपकी सेवा सुरक्षा पॉलिसी व एक्ट बनाने की मांग को मुख्यमंत्री से बातचीत कर पूरा करवा कर जल्द ही खुशखबरी देंगे ताकि आप सबका रोजगार सुरक्षित हो सकें।

डा. सोनू व डा. सुलेखा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विश्वविद्यालयों के अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों को कॉलेज के एक्सटेंशन लेक्चरर की तरह सेवा सुरक्षा प्रदान करने के वादे की याद भी दिलाई ताकि विधानसभा के मानसून सत्र में यूनिवर्सिटी के अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों को जॉब सिक्योरिटी का कानून बनवा कर सबका रोजगार सुरक्षित किया जा सकें। वादे अनुसार हरियाणा सरकार जॉब सिक्योरिटी को देने में विलंब कर रही है। इसलिए हुकटा ने निर्णय लिया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम हरियाणा के सभी मंत्रियों व पार्टी के विधायकों के मार्फत हुकटा जॉब सिक्योरिटी का ज्ञापन देंगे और इसी क्रम में खरल में मंत्री कृष्ण बेदी को ज्ञापन सौंपा गया है। इस मौके पर डा. हमित, डा. प्रदीप कुमार, डा. गीता, डा. सूरज भान, डा. मंजू, डा. लवली, डा. अर्चना, डा. मुकेश व अन्य अस्थायी असिस्टेंट प्रोफेसर मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनते हुए डा. पुष्पा तायल व अन्य।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलाना में बूथ नंबर 163 पर सुनी 'मन की बात'

जींद। जुलाना के बूथ नंबर 163 पर भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल के कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 124वां एपिसोड सुना। कार्यक्रम के उपरांत तायल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से आत्मनिर्भर भारत, नक्सलवाद, अंतरिक्ष का भ्रमण करके लौटे सुधांशु शुक्ला को लेकर चर्चा की। मोदी ने लोगों से आह्वान किया कि हमें अपने आप को आत्मनिर्भर बनाना होगा। हमें दूसरों के ऊपर निर्भर नहीं रहना चाहिए। देश से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फैंकना होगा। प्रत्येक प्रदेश में शांति स्थापित करनी होगी ताकि देश की तरक्की हो। भारत विश्व गुरु बन सके। मोदी ने अंतरिक्ष की यात्रा पूरी करके लौटे सुभाषु शुक्ला को बधाई दी ए उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल, जींद सोशल मीडिया प्रमुख सचिन अत्री, राजेश पूर्व ब्लॉक समिति चेयरमैन, मंगतराम, आनंद लाठर, रामज्ञान गोयल, अमित बंसल आदि मौजूद रहे।

पढ़-लिखकर गरीब परिवार के बेटे-बेटी लग रहे बड़े अधिकारी : देवेंद्र अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

जींद। पीएम के मन की बात को सुनते हुए विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा जींद में सीईटी की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों एवं उनके रहने की व्यवस्था अपने आवास पर की। रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम कुछ सीईटी परीक्षा देने वालों के अभिभावकों के साथ सुना।

यह पीएम नरेंद्र मोदी की मन की बात का 124 कार्यक्रम था। विधायक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायक मार्गदर्शन सदैव हमें नई ऊर्जा प्रदान करता है, जनसेवा के पथ पर दृढ़ता से आगे बढने और राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर जुटे रहने की प्रेरणा देता है। मन की बात एक अनोखा कार्यक्रम है जो हर भारतीय के दिल से जुड़ता है। हर शब्द में राष्ट्र के प्रति समर्पण, हर विचार में जन.जन की चिंता और हर संदेश में समाज को आगे बढ़ाने की प्रेरणा स्पष्ट झलकती है।

सीईटी के अभिभावकों ने नायाब सरकार द्वारा पेपर देने को लेकर की गई बेहतर व्यवस्था पर सीएम नायब सिंह सैनी का आभार जताया। विधायक ने कहा कि सीईटी को लेकर पुख्ता प्रबंध सरकार द्वारा किए गए। इस तरह की व्यवस्था देखकर परीक्षार्थियों के साथ.साथ उनके अभिभावक खुश नजर आए। बसों के लिए स्पेशल रूट बनाने के साथ.साथ बस स्टैंड से परीक्षा के स्थान तक छोडनेए लेकर जाने तक की व्यवस्था की गई थी। अब युवा इस बात को समझ चुके है कि उन्हें सरकारी नौकरी लेने के लिए किसी तरह की सिफारिश नहीं बल्कि पढने की जरूरत है।

जींद। धान की फसल का निरीक्षण करते कृषि वैज्ञानिक। फोटो : हरिभूमि

टीम ने किया धान की फसल का निरीक्षण

जींद। कृषि विज्ञान केंद्र पांडू पिंडारा के संयोजक डा. रामकरण गौड़, कृषि वैज्ञानिक डा. धीरज पंघाल तथा डा. रवि की टीम ने जिले के विभिन्न गांवों दबलैन, सच्चाखेड़ा, उचाना, बीबीपुर, किनाना जाकर धान की फसल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम को गांव दबलैन व सच्चा खेड़ा में धान में कुछ बौने पौधे देखने को मिले। पहचान के बारे में कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि ऐसे पौधों में पत्तियों का रंग गहरा हरा होता है और पौधों का विकास पूर्णतया रुक जाता है। संक्रमित पौधों की जड़ प्रणाली भी है जो कम विकसित होती है। जिससे पोषक तत्वों व जल अवशोषण में कमी हो जाती है। टीम ने पाया कि कुछ स्थानों पर इस रोग को फैलाने वाला किट सफेद पीठ वाला तेला है। यह किट रोग को पौधों से पौधों में फैलाता रहता है। वैज्ञानिकों ने किसानों से निवेदन है कि वह अपने खेत में लगातार निगरानी करें एवं बौने पौधे दिखाई देने पर तुरंत प्रभाव से कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क करें। डा. रामकरण गौड़ ने आह्वान किया कि किसान भाई रोगग्रस्त पौधों की पहचान करके उन्हें मिट्टी समेत उखाड़ कर गहरी गड्ढों में दबा दें या जलाकर नष्ट कर दें ताकि रोग का प्रसार न हो। नालियों और मैडों की नियमित सफाई रखें तथा खरपतवारों को अपने खेत से हटा दें।

चिराग पब्लिक स्कूल नरवाना में मनाया हरियाली तीज का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

चिराग पब्लिक स्कूल नरवाना में हरियाली तीज का पर्व बड़े हर्षोल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को पारंपरिक सजावटए फूलों और हरे.भरे झूलों से सजाया गयाए जिससे सावन का वातावरण जीवंत हो उठा। कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने लोक नृत्यए गिद्दा और तीज गीतों की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं।

छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा का प्रदर्शन किया तथा मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने रचनात्मक हुनर का प्रदर्शन किया। झूलों पर झूलते हुए बच्चों ने इस त्योहार की सुंदर परंपरा को जीवंत किया। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को हरियाली तीज के धार्मिकए सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व के बारे में बताया। विद्यालय के प्राचार्य रमेश वत्स ने बच्चों के उत्साह और प्रस्तुति की सराहना की। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा में प्रमुख रूप से मनाया जाने वाला पारंपरिक त्यौहार हैए जो महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष महत्व रखता है। ऐसे पर्वों का आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ता है।

सीईटी परीक्षा को लेकर सरकार ने पूरी तन्मयता से काम किया : डिप्टी स्पीकर

मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का एक-एक शब्द प्रेरणादायी : मिड्ढा

- डेढ़ राज मोहल्ला में प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम का 124वां एपिसोड सुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम का 124वां एपिसोड था। यह हम सबके लिए बहुत ही प्रेरणादायक रहा है।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से यह पता चलता है कि देश में क्या चल रहा है और बहुत सी ऐसी चीजें जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कहने के बाद उसका अनुसरण करते हैं, वो प्रेरणादायी होता है। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा रविवार को डेढ़ राज मोहल्ला में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि आज मन की बात कार्यक्रम में साडियों का जिक्र हुआ, सफाई का जिक्र हुआ। ऐसी बहुत सी संस्थाएं हैं, जो भिन्न-भिन्न माध्यमों से सफाई को संभालने का काम कर रही हैं। भजन के माध्यम से स्वच्छता को लेकर प्रेरित करते हैं। अलग-अलग प्रकार से समाज तथा देश में जो त्रुटियां आई हैं, उनको दूर किया जा रहा है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मन की बात कह कर सबको प्रेरणा दे रहे हैं। कुछ न कुछ नया हो रहा है। जिसका फायदा आमजन मानस को मिल रहा है। बहुत से ऐसे लोग जिनके पास कमाई का साधन नही था, उनको कमाई का जरिया मिला है। सीईटी परीक्षा को लेकर सरकार ने पूरी तन्यमता से काम किया है। बच्चों को भी अब पता है कि अब पारदर्शिता के हिसाब से नौकरी मिलेगी। जिस मुहिम को हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे मनोहरलाल ने प्रारंभ किया था, उस मुहिम को मुख्यमंत्री नायब सैनी आगे बढाने का काम कर रहे हैं। कहीं न कहीं विरोधियों को भी पारदर्शिता पसंद आ रही है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र धवन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 124वें मन की बात कार्यक्रम में उनका फोक्स सफाई पर था कि कैसे लोगों ने अपने आप से सफाई कर अपने शहरों को सुंदर और स्वच्छ बनाया। ऐसे ही शहर को स्वच्छ बनाने की जिम्मेवारी को हम भी समझें और अपने शहर को स्वच्छ बनाएं। इस मौके पर कार्र्यकर्ताओं ने पौधारोपण भी किया।

यह कार्यक्रम देश को जोड़ने का उचित माध्यम

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के गांव फरैण कला के बूथ नम्बर 188 पर ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सुना। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल संवाद नहीं बल्कि देश को जोड़ने का माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के कोने-कोने में हो रही सकारात्मक गतिविधियों जन.आंदोलनों और आम नागरिकों की असाधारण उपलब्धियों को एक मंच पर लाकर हर भारतीय को गर्व का अनुभव कराते हैं। उन्होंने कहा कहा कि चाहे वह उड़ीसा की सामाजिक पहल हो गोवा की उपलब्धियाँ हों या भोपाल की प्रेरणादायक कहानियाँए मन की बात के माध्यम से देश की विविधता को एकता में पिरोया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हरियाणा का सेल्फी विद डॉटर अभियान जींद जिले के बीबीपुर गांव से शुरू हुआ थाए जो आज वैश्विक मंच पर चर्चित हो गया है। इसी तरह जल बचाओ जैसे अभियानों को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाने में यह मन की बात कार्यक्रम सहायक रहा है।